

# हृदय—धमनी रोग

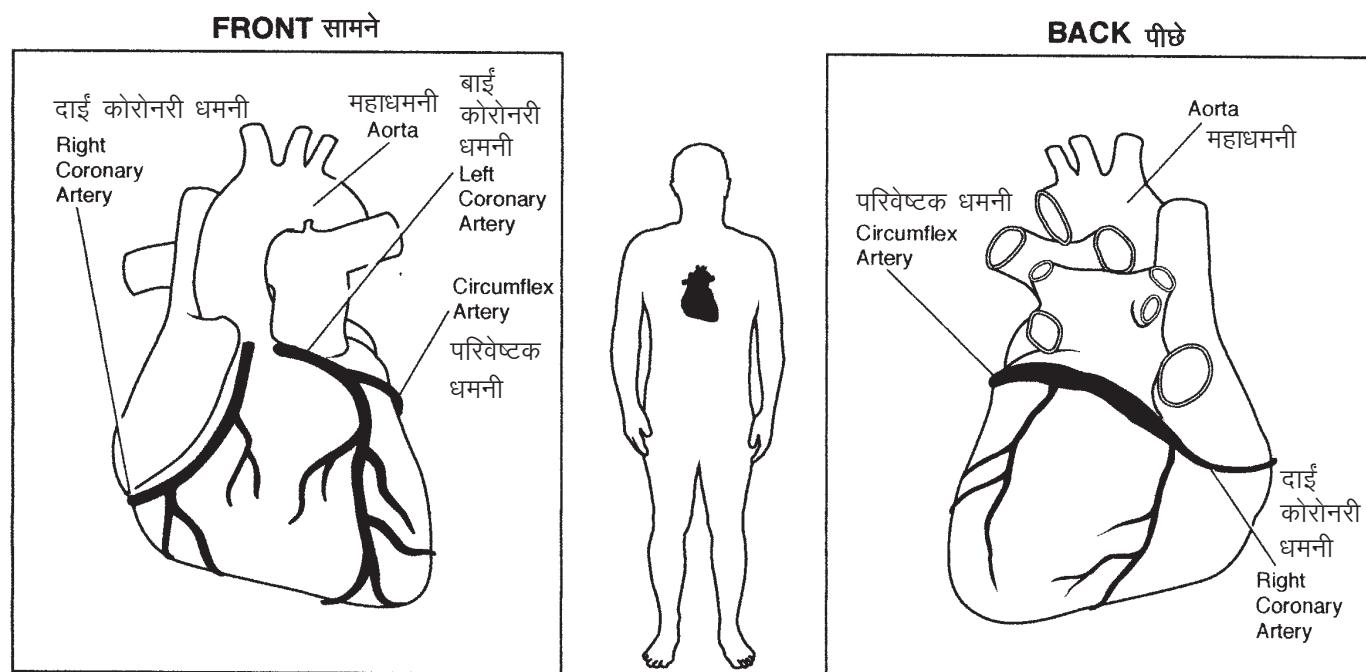
## Coronary Artery Disease (CAD)

Coronary artery disease is also called heart disease or atherosclerosis. It is caused by the build up of fatty deposits called plaque in the blood vessels of the heart.

The heart must get oxygen and nutrients to work well. Blood carries the oxygen and nutrients to the heart through the blood vessels called arteries. As the plaque builds up in the blood vessels, blood flow to the heart muscle is decreased. When blood flow is decreased, chest pain, shortness of breath, or other signs may occur. If the blood flow is stopped or blocked, it causes a heart attack.

हृदय—धमनी रोग को हृदय रोग या ऐथिरोकार्डिन्य (ऐथिरोस्कलरोसिस) भी कहा जाता है। यह रोग हृदय की रक्त वाहिकाओं में लवांक नामक वसायुक्त जमावों के बनने की वजह से होता है।

हृदय को अच्छी तरह से काम करने के लिए ऑक्सीजन और पोशक तत्व मिलने चाहिए। धमनी कहलाने वाली रक्त वाहिकाओं के माध्यम से रक्त हृदय में ऑक्सीजन और पोशक तत्व ले जाता है। जब प्लाक रक्त वाहिकाओं में एकत्र हो जाता है, तब हृदय की मांसपेशियों को होने वाला रक्तप्रवाह कम हो जाता है। जब रक्त प्रवाह कम हो जाता है, तब इससे सीने में दर्द हो सकता है, साँस फूल सकती है या कुछ दूसरे लक्षण दिखाई पड़ सकते हैं। यदि रक्तप्रवाह बंद हो जाता है या उसमें रुकावट आती है तो दिल का दौरा पड़ सकता है।



## Signs of Coronary Artery Disease

You may not have any signs or you may have:

- Pain or pressure in your chest, arm, jaw, shoulders or neck also called angina. It may spread from one place to another.
- Feeling of tightness, heaviness, squeezing or burning
- Sweating
- Shortness of breath
- Nausea or vomiting
- Abdominal pain
- Feeling very tired, dizzy or faint

**Call 911 if you have any of these signs.**

## Risk Factors

You are at higher risk for getting coronary artery disease if you:

- Have a family history of the disease
- Have high cholesterol, diabetes or high blood pressure
- Smoke or use tobacco
- Are inactive
- Have stress
- Are overweight

Changing even one risk factor can improve your heart health. You can prevent the disease from getting worse and may even help to improve it.

## हृदय धमनी रोग के लक्षण

हो सकता है कि आप में कोई भी लक्षण न हो या आप में निम्नलिखित लक्षण हो सकते हैं:

- आपके सीने, बाँह, जबड़े, कंधों या गर्दन में दर्द या दबाव जिसे एंजाइना भी कहा जाता है। यह एक स्थान से दूसरे स्थान में फैल सकता है।
- जकड़न, भारीपन, दबाव या जलन अनुभव करना
- पसीना आना
- साँस फूलना
- मतली या उल्टी आना
- पेट दद
- बेहद थकान, चक्कर या कमज़ोरी अनुभव करना

यदि आपके इनमें से कोई लक्षण दिखाई पड़ते हैं तो **911** पर कॉल करें।

## जोखिम के कारक

आपको उस स्थिति में हृदय-धमनी रोग होने का अधिक खतरा है, यदि:

- अतीत में यह रोग आपके परिवार के किसी सदस्य को हो चुका हो
- आपको उच्च कोलेस्ट्रॉल, मधुमेह या उच्च रक्तचाप हो
- आप धूम्रपान करते हों या तम्बाकू का उपयोग करते हों
- आप निश्क्रय हों
- आप तनावग्रस्त हों
- आपका वज़न अधिक हो

केवल एक जोखिम कारक को बदलने से भी आपके हृदय के स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है। आप इस बीमारी को बढ़ने से रोक सकते हैं और यहाँ तक कि इसमें सुधार करने में भी सहायता कर सकते हैं।

## Your Care

If your doctor thinks that you have coronary artery disease, you may have tests such as:

- An **electrocardiogram (ECG or EKG)** to check the electrical activity of your heart.
- A **cardiac magnetic resonance imaging test (MRI)** to take pictures of how well your heart is working.
- A **stress test** to look for problems with your heart's rate, rhythm or electrical activity. Blood pressure and signs such as shortness of breath or angina are also checked.
- An **echocardiogram** to see the size and shape of your heart and how well it is working.
- A **chest x-ray** to check your heart, blood vessels and lungs.
- **Blood tests** to check levels of fats, cholesterol, sugar and proteins in your blood.

If tests show that you are likely to have CAD, other tests or procedures may be done to treat the disease. The goal is to improve blood flow to your heart muscle and decrease your risk of heart attack. Treatment may include:

- Medicines
- Exercise
- A low fat diet
- Procedures or surgery
- A cardiac rehab program

No matter what type of treatment is done, it does not “cure” the disease. You need to change your risk factors and follow your care plan.

## आपकी देखभाल

यदि आपके चिकित्सक के विचार से आपको हृदय धमनी का रोग है तो आप ये जाँचें करवा सकते हैं जैसे कि:

- आपके हृदय की विद्युत सक्रियता की जाँच करने के लिए इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ईसीजी या ईकेजी)।
- इस मक्सद से तस्वीरें लेने के लिए कि आप का दिल कितनी अच्छी तरह से काम कर रहा है कार्डियक मैग्नेटिक रिजोनेंस इमेजिंग (एमआरआई) जाँच।
- आपके हृदय की धड़कन की दर, लय या विद्युत सक्रियता संबंधी समस्याओं के बारे में पता लगाने के लिए खिंचाव जाँच। रक्तचाप और सांस फूलने या एंजाइना जैसे लक्षणों की भी जाँच होती है।
- आपके हृदय का आकार और बनावट देखने के लिए और यह देखने के लिए कि यह कितने ठीक ढंग से काम कर रहा है ईकोकार्डियोग्राम जाँच।
- आपके हृदय, रक्त वाहिकाओं और फेफड़ों की जाँच करने के लिए छाती का एक्स-रे।
- आपके रक्त में वसा, कोलेस्ट्रॉल, शुगर और प्रोटीन का स्तर जाँचने के लिए रक्त की जाँच।

यदि जाँचों से यह पता चलता है कि आप को हृदय धमनी का रोग हो सकता है तो इस बीमारी का उपचार करने के मक्सद से दूसरी जाँचें या प्रक्रियाएं की जा सकती हैं। लक्ष्य यह है कि आपके हृदय की मांशपेशियों की ओर रक्त के प्रवाह में सुधार किया जाए और आप पर दिल का दौरा पड़ने के खतरे को कम किया जाए। उपचार में ये शामिल हैं:

- दवाएँ
- व्यायाम
- कम वसा युक्त आहार
- प्रक्रियाएं या सर्जरी
- हृदय उपचार कार्यक्रम

चाहे किसी भी प्रकार की देखभाल की जाती हो, इससे रोग से “मुक्ति” नहीं मिलती। आपको अपने जोखिम के कारकों को बदलना होगा और अपनी देखभाल योजना का पालन करना होगा।

**Talk to your doctor about your care or any questions you may have.**

यदि आपको कोई प्रश्न या शंका हो, तो अपने चिकित्सक या नर्स से बात करें।

---

© 2005 - February 29, 2016, Health Information Translations.

Unless otherwise stated, user may print or download information from [www.healthinfotranslations.org](http://www.healthinfotranslations.org) for personal, non-commercial use only. The medical information found on this website should not be used in place of a consultation with your doctor or other health care provider. You should always seek the advice of your doctor or other qualified health care provider before you start or stop any treatment or with any questions you may have about a medical condition. The Ohio State University Wexner Medical Center, Mount Carmel Health System, OhioHealth and Nationwide Children's Hospital are not responsible for injuries or damages you may incur as a result of your stopping medical treatment or your failure to obtain treatment.

Coronary Artery Disease (CAD). Hindi.